>

Title: Need to formulate a plan to provide higher and technical education to students living in remote and far-flung tribal areas of the country.

श्री मारोतराव सैनुजी कोवासे (गडचिरोली-चिमूर): केन्द्र सरकार ने देश के निर्बल वर्ग के छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान किए जाने के लिए नवोदय विद्यालय की स्थापना की है। चूंकि इन विद्यालयों में 12वीं कक्षा तक ही शिक्षा प्रदान किए जाने की सुविधा है, इसलिए ऐसे छात्र, जो निर्धन परिवार से हैं, वे 12वीं कक्षा के पश्चात् धनाभाव के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। विशेÂाकर देश के अनुसूचित जाति व जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में स्थित नवोदय विद्यालय से 12वीं की कक्षा उत्तीर्ण करने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा प्रदान किए जाने हेतु एक कार्यक्रम बनाए जाने की आवश्यकता है, ताकि वे उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा से वंचित न रह सके।

आज देश नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसका एक प्रमुख कारण जनजातीय क्षेत्रों का अविकसित होना और जनजातीय छात्रों में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा का अभाव है। यदि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इस समुदाय के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा की सुविधा प्रदान करके इन युवकों को राÂट्र की मुख्यधारा में जोड़ने का सतत् प्रयास किया जाए तो नक्सलवाद की समस्या से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इस समुदाय के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा हेतु एक कार्यक्रम शीघ्र बनाए जाने हेतु आवश्यक पहल करें।